यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2023

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 12 तत्व

अंक -100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

गमक का थोकड़ा

प्रश्न 1. निम्न प्रश्नों का संक्षेप में उत्तर दीजिए- **5**

1. अपर्याप्त जीव काल करके मनुष्य की उत्कृष्ट स्थिति में जावे तो उसके अध्यवसाय कैसे होते है?

.....

2. पृथ्वीकाय के घर में पृथ्वीकाय तीसरे, छठे, सातवें, आठवें और नवमें गमक से जाये तो उसका जघन्य-उत्कृष्ट परिमाण कितना होता है?

.....

3. उदधिकुमार के घर में औधिक से उत्कृष्ट गमक से जाने वाले युगलिक की जघन्य-उत्कृष्ट स्थिति कितनी होती है?

.....

4. लब्धि के 20 द्वार में से किन बोलों में जीव जहाँ उत्पन्न होता है सिर्फ उस भव संबंधी कथन किया गया है? बोल लिखें?

.....

5. नाराच संहनन वाला हाथी काल करके कौन-सी पृथ्वी तक जा सकता है?

.....

6. मनुष्य के घर में संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय जावे तो उसमें अध्यवसाय का नाणत्ता किस गमक में पड़ता है? गमक लिखें?

.....

7. तिर्यंच पंचेन्द्रिय के घर में उत्पन्न होने वाले भवनपति से पाँचवें देवलोक के देवों की उत्कृष्ट अवगाहना कितनी होती है?

.....

8. तिर्यंच पंचेन्द्रिय पहली पृथ्वी से छठी पृथ्वी तक गमना गमन करे (यानी कभी पहली पृथ्वी का भव करे, कभी चौथी पृथ्वी का दूसरा भव करे) तो उत्कृष्ट कितने भव कर सकता है?

.....

9. बरसात में उत्पन्न मेढ़क देवलोक में जावे तो उत्कृष्ट कितनी स्थिति पाता है?

.....

10. लब्धि के बीस बोल में से जिन बोलों में नाणत्ता पड़ता है वे बोल कौन-से है? लिखें।

.....

प्रश्न 2. अंको में उत्तर दीजिए- **15**

1. 2 भव 8 भव के औधिक गमक कितने होते हैं?

.....

2. पृथक्त्व वर्ष वाले मनुष्य की अवगाहना कितनी होती है?

.....

3. पृथ्वीकाय के घर में वनस्पतिकाय के जीव जघन्य गमक से जावे तो कितने बोलों में नाणत्ता पड़ता है?

.....

4. ज्योतिषी के घर में तिर्यंच युगलिक जघन्य गमक से जावे तो उसकी उत्कृष्ट अवगाहना कितनी होती है?

.....

5. पाँच स्थावर के कुल कितने गमक होते है?

.....

6. ब्रह्म देवलोक का देव काल करके संज्ञी मनुष्य में आवे तो जघन्य कितनी स्थिति पाता है?

.....

7. वैक्रिय के 27 जीव तिर्यंच पंचेन्द्रिय के घर में उत्पन्न हो तो कितने नाणत्ता होते है?

.....

8. तिर्यंच पंचेन्द्रिय और मनुष्य के घर में संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय, असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय और संज्ञी मनुष्य जाते है तो 2 भव संबंधी कितने गमक होते है?

.....

9. नवनिकाय के घर संबंधी कुल कितने नाणत्ता होते है।

.....

10. वैक्रिय के 14 घरों में दो प्रकार के युगलिक जावे तो कितने गमक होते हैं?

.....

11. भवनपति के घर संबंधी कुल आगति स्थान कितने होते है?

.....

12. वर्त्तमान में भरत क्षेत्र का श्रावक काल करके उत्कृष्ट कौन-से देवलोक में जा सकता है?

.....

13. वैक्रिय के एक घर (7वीं पृथ्वी के नैरयिक) में संज्ञी मनुष्य जाता है- यह कौन सा भव स्थान है?

.....

14. मनुष्य के घर में 3 स्थावर, 3 विकलेन्द्रिय, संज्ञी-असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय (8 जीव) उत्कृष्ट में असंख्याता उत्पन्न हो तो कितने गमक होते है?

.....

15. पल के असंख्यातवें भाग वाले खेचर युगलिक की अवगाहना कितनी होती है?

.....

प्रश्न 3. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए- **10**

1. 321 आगति स्थान संबंधी कितने गमक कम हुए हैं? उनमें से औदारिक के घर संबंधी कितने गमक है और वैक्रिय के घर संबंधी कितने है? घर भी बतायें?

.....

.....

2. ऐसे कौन से भव स्थान है जिसमें जीव सिर्फ 2 भव ही करता है? भवस्थान का नम्बर लिखें और कौन-से जीव किस घर में जाते है वह भी लिखें?

.....

.....

3. संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय अप्पकाय के घर में उत्कृष्ट गमक से जाए तो अवगाहना का नाणत्ता नही पड़ता है परन्तु संज्ञी मनुष्य उत्कृष्ट गमक से अप्पकाय के घर में जाए तो अवगाहना का नाणत्ता पड़ता है- कारण स्पष्ट करें?

.....

.....

4. मनुष्य के घर में संज्ञी मनुष्य जाये तो उसका उत्कृष्ट कालादेश किस गमक से संभव है? गमक और कालादेश दोनों लिखें?

.....

.....

5. दो प्रकार के युगलिक किन घरों में सात गमक से जाते है ? घर बताएँ तथा जिन गमको से नहीं जाते है वे गमक लिखे? कारण स्पष्ट करें?

.....

.....

प्रश्न 4. निम्नोक्त प्रश्नों का उत्तर लिखे– **15**

1. जघन्य स्थिति वाला वनस्पतिकाय का जीव काल करके मनुष्य के घर में जघन्य स्थिति में जाए तो उसका जघन्य भवादेश और जघन्य कालादेश कितना होगा?

.....

.....

2. संज्ञी मनुष्य नवग्रैवेयक के घर में परस्पर गमनागमन करे तो उसका उत्कृष्ट कालादेश और उत्कृष्ट भवादेश कितना होगा?

.....

.....

3. उत्कृष्ट स्थिति वाला संज्ञी साँप काल करके धूम प्रभा पृथ्वी में परस्पर गमनागमन करे तो उत्कृष्ट भवादेश और उत्कृष्ट कालादेश कितना होगा?

.....

.....

4. 10 वर्ष का बालक काल करके द्वीन्द्रिय की उत्कृष्ट स्थिति में जाए तो यह किस गमक से संभव है? कालादेश भी लिखें?

.....

.....

5. पृथक्त्व मास की स्थिति वाला कर्मभूमि का मनुष्य काल करके तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्कृष्ट स्थिति में जाये तो उत्कृष्ट कालादेश क्या होगा? गमक भी लिखे?

.....

.....

6. जघन्य स्थिति वाले संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय और संज्ञी मनुष्य छठे देवलोक में जाए तो उनका जघन्य भवादेश और जघन्य कालादेश कितना होगा?

.....

.....

7. आठवें गमक से पृथ्वीकाय का जीव अपकाय के घर में जाये तो उसका जघन्य-उत्कृष्ट भवादेश और कालादेश कितना होगा?

.....

.....

8. क्रोड़पूर्व झाझेरी की स्थिति वाला युगलिक भवनपति के घर में जघन्य से उत्कृष्ट गमक से जाए तो उसका जघन्य और उत्कृष्ट कालादेश क्या होगा?

.....

.....

9. नाणत्ता किसे कहते है? कुल नाणत्ता कितने है?

.....

.....

10. ''जिसके हाथ, पैर, सिर, गर्दन प्रमाणोपेत होते हैं किन्तु उदर का हिस्सा कम या अधिक प्रमाण वाला होता है उसे वामन कहते है''। वामन का यह अर्थ किसने, किस सूत्र की टीका में किया है?

.....

.....

दिशाणुवाय का थोकड़ा

प्रश्न 5. सही विकल्प चुनें- **10**

1. वायुकाय के जीव किस दिशा में सबसे अधिक है?

(अ) उत्तर (ब) पूर्व (स) पश्चिम (द) दक्षिण

2. किस दिशा से सबसे अधिक जीव सिद्ध होते है?

(अ) दक्षिण (ब) उत्तर (स) पश्चिम (द) पूर्व

3. भाव दिशा का सातवाँ भेद कौन-सा हैं?

(अ) द्वीन्द्रिय (ब) पर्व बीज (स) मूल बीज (द) वायुकाय

4. किस दिशा में नैरयिक सबसे अधिक है?

(अ) दक्षिण (ब) उत्तर (स) पूर्व (द) पश्चिम

5. वाणव्यन्तर देवों का संचार पूर्व दिशा में क्यों कम है?

(अ) लवण समुद्र (ब) सलिलावती विजय(स) पुष्पावकीर्ण विमान (द) धनीभूत पृथ्वी

6. भवनपति देव किस दिशा में सबसे कम है?

(अ) पूर्व पश्चिम (ब) उत्तर दक्षिण (स) पूर्व पश्चिम उत्तर (द) उत्तर दिशा

7. पाँचवी पृथ्वी के नैरयिक किस पृथ्वी के नैरयिक से असंख्यात गुणा अधिक है?

(अ) चौथी पृथ्वी (ब) छठी पृथ्वी (स) पहली पृथ्वी (द) इनमें से कोई

8. किन देवलोको के देव सभी दिशा में तुल्य है?

(अ) ब्रह्म देवलोक (ब) विजय विमान (स) आणत देवलोक (द) सभी

9. गौतम द्वीप किस दिशा में है?

(अ) पूर्व (ब) उत्तर (स) दक्षिण (द) पश्चिम

10. आवलिका प्रवृष्टि विमान किन देवलोकों में है?

(अ) भवनपति (ब) वाणव्यन्तर (स) ज्योतिषी (द) वैमानिक

प्रश्न 6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **10**

1. ज्योतिषी देव किस दिशा में सबसे अधिक है और क्यों?

.....

.....

2. आवलिका प्रविष्ट विमान और पुष्पानकीर्ण विमान किस कहते है?

.....

.....

3. उत्तरदिशा वाले भवनपति देवों के कितने भवन है? किस सूत्र की टीका में लिखा हुआ है कि पूर्व पश्चिम में भवनपतियों के भवन कम है?

.....

.....

4. गौतम द्वीप कहाँ है और कितना विस्तार वाला है? इसकी वजह से कौन–से जीव इस दिशा में अधिक है?

.....

.....

5. भवनपति देव और वाणव्यन्तर देव किस दिशा में सबसे अधिक है? कारण बताऐ?

.....

.....

अजीव पर्याय

प्रश्न 7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– **10**

1. जघन्य अवगाहना वाला पुद्गल जघन्य अवगाहना वाले पुद्गल से प्रदेश की अपेक्षा ..... पतित होता है?

2. संख्यात समय की स्थिति वाले पुद्गल संख्यात समय की स्थिति वाले पुद्गलों से स्थिति की अपेक्षा .... पतित होता है।

3. नौ प्रदेशी स्कन्ध की जघन्य अवगाहना ..... आकाश प्रदेश होती है?

4. काल की अपेक्षा पुद्गल की उत्कृष्ट स्थिति ..... काल की होती है?

5. मध्यम गुण शीत स्पर्श वाले पुद्गल में वर्णादि के ..... बोल पाए जाते है?

6. रूपी अजीव की पर्याय ..... कही गयी है?

7. जघन्य अवगाहना वाला संख्यात प्रदेशी स्कन्ध ऐसे ही दूसरे स्कन्ध से स्थिति की अपेक्षा ..... पतित होता है।

8. लोक में ..... आकाश प्रदेश है।

9. एक आकाश प्रदेश पर एक परमाणु से लेकर ..... प्रदेशी स्कन्ध भी रह सकता है।

10. लोक में त्रिप्रदेशी स्कन्ध ..... है।

प्रश्न 8. संक्षेप में उत्तर दीजिए– **10**

1. जघन्य प्रदेशी स्कन्ध, जघन्य प्रदेशी स्कन्ध से अवगाहना की अपेक्षा कितने स्थान हीनाधिक होता है?

.....

2. जघन्य अवगाहना वाले अनंत प्रदेशी स्कन्ध में वर्णादि के कितने बोल पाए जा सकते है?

.....

3. भाव की अपेक्षा परमाणु यावत् अनंत प्रदेशी स्कन्ध के कितने आलापक होते है?

.....

4. बादर अनंत प्रदेशी स्कन्ध में उत्कृष्ट कितने स्पर्श पाए जाते है?

.....

5. उत्कृष्ट अवगाहना वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध ऐसे ही अनंत प्रदेशी स्कन्ध से स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

6. जघन्य गुण सफेद वर्ण वाले परमाणु पुद्गल में वर्णादि के कितने बोल पाए जा सकते हैं?

.....

7. जघन्य स्थिति वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध, जघन्य स्थिति वाले अनंत प्रदेशी स्कन्ध से अवगाहना की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

8. उत्कृष्ट गुण लघु स्पर्श वाला अनंतप्रदेशी स्कन्ध, उत्कृष्ट गुण लघु स्पर्श वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध से वर्णादि के बोल की अपेक्षा कितने स्थान पतित होता है?

.....

9. मध्यम स्कन्ध, मध्यम स्कन्ध से प्रदेश की अपेक्षा कितने स्थान पतित होता है?

.....

10. संख्यात प्रदेशी स्कन्ध की जघन्य और उत्कृष्ट अवगाहना कितने आकाश प्रदेश होती है?

.....

प्रश्न 9. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए- **15**

1. मध्यम स्थिति वाला द्विप्रदेशी स्कन्ध होता है परन्तु मध्यम अवगाहना वाला द्विप्रदेशी स्कन्ध नहीं होता है? कारण स्पष्ट करें?

.....

.....

2. अचित्त महास्कन्ध किसे कहते है? इसकी अवगाहना, स्थिति और वर्णादि बोल बताए?

.....

.....

3. अरूपी अजीव के कितने भेद होते हैं? कौन-कौन से?

.....

.....

4. संख्यात समय की स्थिति वाला पुद्गल जघन्य और उत्कृष्ट कितने आकाश प्रदेश अवगाढ़ हो सकता है? प्रदेश की अपेक्षा कितने स्थान पतित होता है? उसमें वर्णादि के कितने बोल पाए जा सकते है?

.....

.....

5. मध्यम गुण मीठा रस वाला संख्यात प्रदेशी स्कन्ध ऐसे ही दूसरे संख्यात प्रदेशी स्कन्धों से द्रव्य, प्रदेश, अवगाहना, स्थिति और वर्णादि की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

.....

6. उत्कृष्ट गुण सुरभिगंध वाले परमाणु में वर्णादि के कितने और कौन-कौन से बोल पाए जा सकते है?

.....

.....

7. उत्कृष्ट स्थिति वाले अनंत प्रदेशी स्कन्ध से उत्कृष्ट स्थिति वाला अनंत प्रदेशी स्कन्ध और जघन्य स्थिति वाले पुद्गल से जघन्य स्थिति वाला पुद्गल प्रदेश, अवगाहना, स्थिति और वर्णादि की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकते है?

.....

.....

8. असंख्यात प्रदेशावगाढ़ पुद्गल से असंख्यात प्रदेश अवगाढ़ पुद्गल प्रदेश, अवगाहना स्थिति और वर्णादि की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकता है?

.....

.....

9. एक प्रदेशावगाढ़ पुद्गल कितना प्रदेशी हो सकता है? अनमें वर्णादि के कितने बोल पाए जाते हैं? स्थिति की अपेक्षा कितने स्थान पतित हो सकते है?

.....

.....

10.

.	:	:	∴

अ

:	.	:	.	.	.

ब

अ और ब ये दो स्कन्ध कितने प्रदेशी स्कन्ध है? कितने आकाश प्रदेश अवगाढ़ है? अवगाहना की अपेक्षा कितने प्रदेश हीनाधिक है?

.....

.....